पीरियोडिक टेस्ट-2
(पाठ 1 से 12 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) विपत्ति कायर को दहलाती है।
   (ख) विपत्ति आने पर वीर पुरुष साहस और धैर्य से उसका सामना करते हैं।
   (ग) वीर पुरुष विघ्नों को गले लगाते हैं। (घ) साहसी
   (ङ) उ + द् + य् + ओ + ग् + अ
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (iii) (ख) (i) पुल्लिंग (ii) स्त्रीलिंग
   (ग) (i) गुणवाचक विशेषण (ii) सार्वनामिक विशेषण
   (घ) (i) ताज़गी (ii) ठंडक (ङ) (i) भूतकाल (ii) भविष्यकाल
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) लोकमान्य तिलक को अपने बहुमूल्य जीवन के छह लंबे वर्ष कठिन परिस्थितियों में बिताने के लिए विवश होना पड़ा था। उनकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी और सभ्य समाज ने जिन विचारों और संस्कारों को प्रतिबद्ध होकर स्वीकार किया है वे जेलों में लागू नहीं होते। इसलिए सुभाषचंद्र बोस ने ऐसा कहा है कि जेलें मानव के कृतित्व की निशानी हैं।
   (ख) सोमपाल ने सेठ से गाड़ी की कीमत के बारे में कहा, "सेठ जी, मोल-भाव में क्या रखा है! सामने आदमी देखा जाता है। एक ही बात बता दूँ कि इस गाड़ी के दो मुट्ठी टके लूँगा। बोलो, सौदा मंज़ूर है!"
   (ग) राजेंद्र बाबू की पत्नी का छात्रावास की सभी बालिकाओं के साथ बहुत अच्छा व्यवहार था। उन्हें सभी का समान रूप से ध्यान रहता था। वे सभी को बुला-बुलाकर उनका तथा उनके परिवार का कुशल-मंगल पूछना न भूलती थीं। इसके साथ ही घर से लाए गए मिष्ठान्न सभी बालिकाओं एवं वहाँ के नौकर-चाकरों में बाँटे जाते थे।
   (घ) पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरीं और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठीं।
   (ङ) बहुत सारे बच्चे पहलवानी करने का विचार यह सोचकर छोड़ देते हैं कि वे इतनी खुराक कैसे खाएँगे या कहाँ से खाएँगे।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) पत्र का आरंभ – संबोधन एवं अभिवादन
   (ii) औपचारिकता
   (iii) पत्र का कलेवर (जो बात आप कहना चाहते हो)
   (iv) आभार
   (v) धन्यवाद तथा अपना नाम